भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न सं. 1123

23 मार्च, 2012 को उत्‍तरार्थ

**विषय: तमिलनाडु में पुष्‍प खेती उद्योग**

1123 : श्री बी.एस. ज्ञानादिशिखन:

**क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क)** क्‍या अवसंरचनागत सुविधाओं की कमी के कारण तमिलनाडु के होसूर में पुष्‍प खेती उद्योग प्रभावित हुआ है ;

**(ख)** क्‍या छोटे पुष्‍प उत्‍पादक अपने द्वारा उत्‍पादित फसलों को बिचौलियों को औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर होते हैं क्‍योंकि इस क्षेत्र से कोई आम शीतागार सुविधा नहीं है ; और

**(ग)** यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है और सरकार द्वारा इस क्षेत्र में एक आम शीतागार सुविधा स्‍थापित करने हेतु क्‍या कदम उठाए गए हैं ?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री ( डॉ. चरण दास महन्‍त)**

**(क), (ख) एवं (ग):**  जी नहीं । सरकार देश में बागवानी के समग्र विकास के लिए वर्ष 2005-06 से राष्‍ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम) पर एक केन्‍द्रीय प्रायोजित स्‍कीम कार्यान्‍वित कर रही है जिसके अंतर्गत कटाईपश्‍चात प्रबंधन और विपणन के लिए सहायता अवसंरचयन के सृजन के साथ साथ फूलों सहित बागवानी फसलों की खेती करने के लिए सहायता बढ़ाई गई है । किसानों के प्रयोग के लिए होसुर में यलवार संधिया (किसान मार्केट) में राज्‍य संचालन में शीत भण्‍डारण सुविधाएं उपलबध हैं । इसके अतिरिक्‍त, राज्‍य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम तमिलनाडु उद्योग विकास निगम एक सार्वजनिक निजी भागीदारी फर्म, तनफलोरा, ने भी अनुधागुंधापाली में विश्‍व स्‍तर शीत भण्‍डारण सुविधाएं स्‍थापित की हैं ।

------